नीतीश मिश्रा
पूर्व मंत्री
बिहार सरकार

सदस्य
बिहार विधान सभा

Ref: 262/2021
Dt-16-8-2021

आदरणीय मंत्री महोदय,

विषयः–**मिथिला के हृदय स्थली प्रमंडल मुख्यालय दरभंगा में राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न संकाय के शिक्षण संस्थान की स्थापना एवं दरभंगा को शिक्षा हब के रूप में विकसित करने के संबंध में।**

मिथिला शब्द ही द्योतक है भारत के सूक्ष्म कण से वृहत इतिहास की पृष्ठभूमि का उद्दीयमान सूर्य के तेजोमय प्रकाशवान रूप तथा पूर्णिमा की स्निग्ध चन्द्रिका की भांति यह मिथिला भूमि अपने बौद्धिक तथा आध्यात्मिक ज्ञान से भारतवर्ष को हजारों वर्षों से प्रकाशित कर रही है।

माँ सीता की जन्मस्थली मिथिला ने 'दीर्घतमा ऋषि' को दिया है जिन्होंने ऋग्वैदिक काल में अपने ज्ञानपुँज को प्रसारित किया। 'याज्ञवल्क्य' मुनि ने ब्रह्मविद्या का पाठ महाराजा जनक को दिया। मिथिला भूमि ने अक्षपाद, मंडन मिश्र, वाचस्पति, उदयन, गंगेश तथा अनेकानेक विद्वत समूह को विज्ञान एवं दर्शन के क्षेत्र में दिया है। भारतीय साहित्य की श्रृंगार परम्परा एवं भक्ति परम्परा के प्रमुख स्तंभो में से एक मैथिल कोकिल विद्यापति एवं महान नैयायिक एवं अपरिग्रहव्रत के अनुयायी स्वनामधन्य पंडित भवनाथ मिश्र प्रसिद्ध नाम अयाची मिश्र मिथिला के ही धरती पुत्र हैं।

दरभंगा प्रमंडल का मुख्यालय के साथ पुराना एवं आधुनिक रूप से विकसित होता शहर, नगर निगम, केन्द्र एवं राज्य सरकार के कार्यालय कार्यरत हैं। सड़क परिवहन के रूप में राष्ट्रीय राजमार्ग, रेल यातायात की सुविधा सहित हाल ही में एयरपोर्ट से हवाई मार्ग का संचालन प्रारंभ हो गया है, जिससे देश–विदेश के पर्यटकों एवं आम लोगों को आवागमन का हवाई मार्ग भी मिल गया है। दरभंगा में संचार मंत्रालय के अधीन पोस्टल प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण संस्थान स्थापित है, जिसमें पहले केन्द्र में बिहार, झारखंड एवं बंगाल राज्य के निरीक्षक से कनीय कर्मचारियों का प्रशिक्षण दिया जाता है तथा दूसरे केन्द्र में पूर्वोत्तर के राज्यों, उड़ीसा, झारखंड एवं बंगाल राज्य के पोस्टल निरीक्षक स्तर के पदाधिकारियों का प्रशिक्षण दिया जाता है। भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के अधीन मखाना अनुसंधान केन्द्र स्थापित है। मिथिला का विश्वविख्यात पेंटिग, सीकी कला एवं काष्ठ कला के केन्द्र भी दरभंगा है।

वर्त्तमान समय में दरभंगा में राज्य स्तर के अनेकों शिक्षण संस्थाएँ स्थापित है। उदाहरण स्वरूप ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय एवं कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, इग्नू का क्षेत्रीय सेंटर, वुमेन्स इन्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दरभंगा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, मिथिला मायनोरिटी डेन्टल कॉलेज एवं अस्पताल, दो केन्द्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय जैसे अनेक सुव्यवस्थित महाविद्यालय सहित अनेक सरकारी एवं गैरसरकारी शिक्षण संस्थान स्थापित

112, कौटिल्य नगर, पटना 800014
Tel. : 0612 222 6263 Fax : 0612 222 5218 E-mail : nitishmishraoffice@gmail.com
/NitishMishraOfficial @mishranitish www.jhanjharpur.co.in

है। दरभंगा में राष्ट्रीय स्तर पर एकमात्र संस्था ऐम्स (AIIMS) निर्माणाधीन है। मिथिला संस्कृत स्नातकोत्तर अध्ययन एवं शोध संस्थान है, जो देश में अन्यत्र कहीं नहीं है।

दरभंगा उत्तर बिहार के शिक्षा का एक प्रमुख केन्द्र है, जहां छात्र/छात्राएँ विभिन्न विषयों के अध्ययन के लिए आते हैं। राष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थान जैसे आई॰आई॰टी॰(IIT), एन॰आई॰टी॰(NIT), आई॰आई॰एम॰(IIM), आई॰आई॰आई॰टी॰ (IIIT), निफ्ट (NIFT) विधि महाविद्यालय/विश्वविद्यालय इत्यादि नहीं होने के कारण यहां के छात्र/छात्राओं को इन संस्था में पढ़ने का अवसर नहीं मिल पाता है।

विभिन्न संकायों जैसे जियोग्राफी स्टडी, रोबोटिक स्टडी, आर्टीफिसियल इंटेलिजेंसी, बायो टेक्नोलॉजी, रिवर स्टडीज, जरनलिज्म एंड मास कम्यूनिकेशन, नैनो टेक्नोलॉजी इत्यादि में शोध केन्द्र की स्थापना होने से यहां के छात्र/छात्राओं को शोध का अवसर मिल सकता है, साथ ही दरभंगा में योग विश्वविद्यालय की स्थापना, कौशल विकास प्रशिक्षण संस्थान एवं वास्तुकला के क्षेत्र में अपार संभावना है।

सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति ने ज्ञान के द्वार खोल दिये हैं। बुद्धि एवं भाषा के मिलाप से सूचना प्रौद्योगिकी के सहारे आर्थिक संम्पन्नता की ओर बढ़ सकते हैं। हमारी आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, व्यावसायिक क्षेत्रों में सूचना प्रौद्योगिकी का विकास दिखाई देता है। दरभंगा सूचना प्रौद्योगिकी का एक प्रमुख केन्द्र बन सकता है।

उपर्युक्त राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थान की स्थापना के लिए दरभंगा में पर्याप्त भूमि है, जिसे शिक्षा हब के रूप में विकसित किया जा सकता है। मिथिला को शैक्षणिक प्रयोगशाला के रूप में विकसित करने एवं दरभंगा में शिक्षा हब बनना आत्मनिर्भर भारत के लिए मजबूत स्तंभ का काम करेगा।

अतः अनुरोध है कि दरभंगा में राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न संकाय के शिक्षण संस्थान की स्थापना एवं दरभंगा को शिक्षा हब के रूप में विकसित करने हेतु विचार करना चाहेंगे, ताकि मिथिला अपनी पुरानी विरासत हासिल कर सके।

सादर,

भवदीय

Nitish Mishra

(नीतीश मिश्रा) 16.8.21

सेवा में,

श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी,
माननीय शिक्षा मंत्री,
भारत सरकार,
नई दिल्ली।